एक नजर में

आलीराजपुर में कलेक्टर के निर्देश पर ओवरलोड वाहनों पर की जा रही कार्रवाई

जोबट में परिवहन विभाग द्वारा तूफान वाहन को किया जब्त

अलीराजपुर। कलेक्टर नीतू माथुर ने सड़क सुरक्षा बैठक में जिला परिवहन अधिकारी कृतिका मोहटा को ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी के परिपालन में जिला परिवहन विभाग द्वारा आज जोबट क्षेत्र में ओवरलोडिंग वाहनों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान परिवहन विभाग ने उन वाहनों पर विशेष ध्यान दिया जो क्षमता से अधिक सवारियां ले जा रहे थे, साथ ही गाड़ी के ऊपर एवं बाहर लटकाकर यात्रियों को ले जाने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। इस दौरान तूफान वाहन एमपी45 बीबी0809 को अग्रवाल पेट्रोल पंप के पास रोक कर कार्रवाई की गई जिसने वाहन में क्षमता से ज्यादा लोगों को वाहन में बैठाया गया था। पुलिस के सहयोग से वाहन को पकड़ कर जब्त कर जोबट थाने में खड़ा कराया गया।

विद्यार्थी द्वितीय परीक्षा से पाएं सफलता का दूसरा मौका : कलेक्टर

आलीराजपुर। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल द्वारा वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी द्वितीय परीक्षा के आयोजन संबंधी दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसके अंतर्गत सत्र 2025-26 की द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित होने के इच्छुक विद्यार्थी एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 15 अप्रैल 2026 से 22 अप्रैल 2026 रात्रि 12ः00 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। कलेक्टर नीतू माथुर ने जिले के ऐसे विद्यार्थियों से विशेष अपील की है, जो किसी कारणवश मुख्य परीक्षा में असफल हो गए हैं या अपने अपेक्षित अंक प्राप्त नहीं कर सके हैं, वे इस अवसर का लाभ उठाकर द्वितीय परीक्षा में अवश्य सम्मिलित हों। यह परीक्षा विद्यार्थियों को अपने परिणाम सुधारने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने आगे बताया कि कक्षा 10वीं की द्वितीय परीक्षा 7 मई से 19 मई 2026 तक तथा कक्षा 12वीं की परीक्षा 7 मई से 25 मई 2026 तक प्रातः 9ः00 बजे से 12ः00 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा का विस्तृत टाइम-टेबल माध्यमिक शिक्षा मण्डल की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिला शिक्षा अधिकारी एवं एसडीएम निधि मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि द्वितीय परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की बेहतर तैयारी सुनिश्चित करने हेतु जिले के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालय खुले रहेंगे। साथ ही विद्यार्थियों के लिए विशेष रेमेडियल कक्षाओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। विद्यार्थियों को पूर्व वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास भी कराया जाएगा, जिससे वे परीक्षा पैटर्न को समझकर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से इस सुनहरे अवसर का अधिकतम लाभ उठाने और अपने शैक्षणिक भविष्य को सुदृढ़ बनाने का आग्रह किया है।

किफायती फूड ऐप 'टोइंग' अब इंदौर में उपलब्ध

इंदौर . किफायती फूड डिलीवरी ऐप टोइंग ने इंदौर मेंअपने लॉन्च की घोषणा की. पिछले 7+ महीनों में, टोइंग ने अपने नेटवर्क काविस्तार करते हुए भारत के 24 शहरों में अपनी मौजूदगी दर्ज की है और यह अपनेऐप पर खाने-पीने की सभी चीजों पर सबसे कम कीमत की गारंटी देता है, जोरेस्टोरेंट के टेबल मेन्यू की कीमत के बराबर या उससे कम होती है. इसकेअलावा, टोइंग पर किए गए किसी भी ऑर्डर पर न तो पैकेजिंग चार्ज लिया जाताहै और न ही कोई प्लेटफॉर्म फीस. इस विस्तार पर बोलते हुए, टोइंग के चीफ बिजनेस ऑफिसर सिद्धार्थ भाकूने कहा टोइंग फूड डिलीवरी के क्षेत्र में एक नई श्रेणी बना रहा है और इसका लक्ष्य जेन जी, कॉलेज जाने वाले और किफायत को महत्व देने वाले ग्राहक हैं. पिछले कुछ महीनों में हमने टोइंग, किफायती फूड डिलीवरी ऐप, को गुवाहाटी, नासिक, नागपुर, अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली एनसीआर जैसे प्रमुख शहरों औरशैक्षणिक केंद्रों में लॉन्च किया हैं. इंदौर में जेन जी और कॉलेज छात्रों की बड़ी संख्या है, इसलिए यह टोइंग के लिए एक आदर्श बाजार है.

व्यवस्थित नीतिगत पहल के तहत पीएनजी विस्तार में तेज़ी

इंदौर . भारत सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच को मज़बूत करने और पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से, एक समन्वित नीतिगत ढाँचे के तहत पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) के विस्तार में तेज़ी लाने का काम शुरू किया है. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह जानकारी दी है. तेज़ी से हो रहे इस विस्तार के तहत, मार्च 2026 के बाद से लगभग 4.40 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं, जबकि 4.88 लाख अतिरिक्त उपभोक्ताओं ने नए पीएनजी कनेक्शन के लिए रजिस्टर किया है. इन आँकड़ों से साफ है कि नीतिगत विस्तार के चलते पीएनजी के अडॉप्शन में ज़बरदस्त तेज़ी आई है. सरकार की पीएनजी विस्तार रणनीति के तहत ये प्रयास किए जा रहे हैं. इसमें 'प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश, 2026' की अधिसूचना भी शामिल है, जो तय समय-सीमा के भीतर 'शहरी गैस वितरण' इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और अधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों में इसके कार्यान्वयन को संभव बनाती है. घरों तक पीएनजी की पहुँच को और अधिक तेज़ी से बढ़ाने के लिए, सरकार ने 'राष्ट्रीय पीएनजी अभियान 2.0' को 30 जून 2026 तक आगे बढ़ा दिया है.

अमेज़न फैशन ने एआई आधारित ज्वेलरी विकल्प पेश किए

इंदौर . अक्षय तृतीया भारत में ज्वेलरी खरीदारी के सबसे महत्वपूर्ण अवसरों में से एक बना हुआ है, जो सोने और चांदी की परंपरागत आकर्षण से जुड़ा है. इस वर्ष, अमेज़न फैशन ग्राहकों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए पारंपरिक निवेश जैसे गोल्ड कॉइन्स से लेकर रोज़ाना पहनने वाली फाइन ज्वेलरी तक का व्यापक विकल्प पेश कर रहा है. टेक्नोलॉजी आधारित नवाचार, एआई-पावर्ड डिस्कवरी टूल्स और जॉयलुक्कास पीसी चंद्रा ज्वेलर्स, मिया बाय तनिष्क, गिवा और पीएनजी ज्वेलर्स जैसे भरोसेमंद ब्रांड्स के साथ, अमेज़न फैशन ग्राहकों के लिए ऐसी ज्वेलरी ढूंढना और खरीदना आसान बना रहा है जो परंपरा और आधुनिक फैशन ट्रेंड्स दोनों को दर्शाती है. अक्षय तृतीया पर ज्वेलरी खरीदारी को आसान बनाने के लिए, अमेज़न फैशन एआई-पावर्ड डिस्कवरी टूल्स प्रदान करता है, जिससे ग्राहक कुछ ही सेकंड में अपनी पसंद का कार्ट तैयार कर सकते हैं। रुफस के साथ, अमेज़न का एआई शॉपिंग असिस्टेंट, सरल बातचीत के जरिए पर्सनलाइज्ड सुझाव देता है.

कॉग्निज़ेंट ने टेक्नोवर्स हैकाथॉन 2026 लॉन्च किया

इंदौर . कॉग्निज़ेंट ने आज कॉग्निज़ेंट0 टेक्नोवर्स हैकाथॉन 2026 के लॉन्च की घोषणा की।अपने तीसरे संस्करण में प्रवेश कर चुका यह हैकाथॉन एक क्षेत्रीय पहल से बढ़कर राष्ट्रीय मंच बन गया है, जो पूरे भारत के 400 से अधिक कॉलेजों के 20,000 से अधिक प्री-फाइनल वर्ष के इंजीनियरिंग छात्रों को एक साथ लाता है, ताकि वे सहयोग कर सकें, नवाचार कर सकें और अपनी एआई-आधारित समस्या-समाधान क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकें. कॉग्निज़ेंट इंडिया के प्रेसिडेंट ग्लोबल ऑपरेशंस और चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश वरियर ने कहा हम उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर जी रहे हैं, और एक एआई निर्माता के रूप में, कॉग्निज़ेंट इस परिवर्तन को आगे बढ़ाने वाली अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं के विकास के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है. कॉग्निज़ेंट टेक्नोवर्स हैकाथॉन 2026 एक ऐसा मंच है जहाँ भारत के सबसे प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग दिमाग वास्तविक उद्योग चुनौतियों का समाधान करते हैं, एंटरप्राइज स्तर पर सोचते हैं, और भविष्य के तकनीकी नेताओं बनने की दिशा में अपने पहले कदम बढ़ाते हैं.

जर्जर हो गया रायपुरिया का स्वास्थ्य केंद्र, नवीनीकरण की मांग तेज

पेटलावद। रायपुरिया क्षेत्र में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की जर्जर हालत को लेकर क्षेत्रवासियों में चिंता बढ़ती जा रही है। नवागत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट से लोगों को उम्मीद है कि वे इस गंभीर समस्या पर ध्यान देकर अस्पताल का शीघ्र नवीनीकरण कराएंगे।

करीब 35 वर्ष पुरानी यह भवन, जो वर्ष 1994 में निर्मित हुई थी, अब पूरी तरह जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है। बारिश के दिनों में अस्पताल की छत से पानी टपकता है, जिससे मरीजों और स्टाफ को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थिति इतनी खराब हो गई है कि छत से लोहे के सरिए तक दिखाई देने लगे हैं, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं।

इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लगभग 44 गांवों के लोग इलाज के लिए निर्भर हैं, जबकि थाना क्षेत्र के करीब 115 गांव इससे जुड़े हुए हैं। प्रतिदिन यहां 50 से 60 मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। अस्पताल में दो चिकित्सक पदस्थ हैं और स्टाफ भी पर्याप्त है, लेकिन भवन की कमी के कारण मरीजों को भर्ती करने में दिक्कतें आती हैं। कई बार मरीजों का इलाज बरामदे में ही करना पड़ता है।

अस्पताल में लैबोरेट्री सुविधा उपलब्ध है, जहां विभिन्न जांचें की जाती हैं, लेकिन अतिरिक्त कक्षों का अभाव साफ नजर आता है। वहीं चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के लिए आवासीय सुविधा भी नहीं है, जिसके चलते कर्मचारियों को किराए के मकानों में रहना पड़ रहा है। यदि अस्पताल परिसर में ही आवास की व्यवस्था हो जाए तो मरीजों को भी त्वरित और बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल परिसर में पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, जिससे अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, स्टाफ क्वार्टर और बाउंड्री वॉल का निर्माण आसानी से किया जा सकता है।

> **जिम्मेदारों का कहना...**
> प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. प्रताप भूरिया ने बताया कि अस्पताल की समस्याओं, जैसे अतिरिक्त कक्षों की कमी, एम्बुलेंस सुविधा और भवन की छत से पानी टपकने की समस्या के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित रूप से अवगत कराया जा चुका है। अब उच्च स्तर से कार्रवाई की प्रतीक्षा है। बारिश का मौसम शुरू होने में अब लगभग ढाई माह का समय शेष है, ऐसे में क्षेत्रवासियों की उम्मीद है कि कलेक्टर आगामी पेटलावद दौरे के दौरान अस्पताल का निरीक्षण कर आवश्यक कदम उठाएंगे।

चेक बाउंस प्रकरण में अपीलीय कोर्ट ने अभियुक्त को किया दोषमुक्त

पेटलावद। अपर सत्र न्यायालय पेटलावद ने चेक बाउंस के मामले में अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया है। न्यायाधीश ओमप्रकाश बोहरा द्वारा चेक बाउंस के मामले में में एक वर्ष के कारावास और चार लाख अड़तालीस हजार नौ सौ पैतालीस रुपये के प्रतिकर के दोषसिद्ध कृष्णपाल पिता मानसिंग सोलंकी निवासी दूधवाल तहसील बदनावर जिला धार को निर्णय पारित कर दोषमुक्त किया। अपीलीय न्यायालय में आरोपी की ओर से पैरवी रूपम कुमार पटवा और लक्ष्मीनारायण वैरागी अभिभाषक द्वारा की गई।

मामला इस प्रकार था कि बोडायता निवासी धीरज पिता मोहनलाल पाटीदार ने न्यायालय न्यायिक दण्डाधिकारी पेटलावद के समक्ष एक परिवाद प्रस्तुत किया कि अभियुक्त कृष्णपाल द्वारा उससे रुपये तीन लाख त्रेपन हजार पांच सौ उधार लिए गए थे और इकरार नामा लेख भी लिखा गया था और रुपये भुगतान के लिए चेक जारी किया गया था जो बैंक में प्रस्तुत करने पर अनादरित हो गया था।

जिस कारण परिवादी द्वारा परिवाद प्रस्तुत किया गया, जिस पर न्यायालय न्यायिक दण्डाधिकारी पेटलावद द्वारा अभियुक्त कृष्णपाल को एक वर्ष के कारावास एवं चार लाख अ?तालीस हजार नौ सौ पैंतालीस रुपये के प्रतिकर से दण्डित किया था। जिस पर अभियुक्त द्वारा अपर सत्र न्यायालय पेटलावद में अपील प्रस्तुत की थी।

अपील में अभिभाषक रूपम कुमार पटवा ने न्यायायल को प्रतिपरिक्षण में आये तथ्यो एवं दस्तावेजी साक्ष्य से तथा विधिक प्रावधानों का परिवादी द्वारा पालन नही किये जाने के तथा परिवाद में तकनीकी कमियों के संबंध में तर्क प्रस्तुत किये। जिस पर अपीलीय न्यायालय ने अपीलांट/आरोपी अभिभाषक रूपम कुमार पटवा के तर्कों पर तथा विधि के प्रावधानों पर विचार करते हुए अभियुक्त कृष्णपाल को धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत 1 वर्ष के कारावास एवं धारा 357 (3) दप्रसं के अन्तगत 4,48,945/- रूपये प्रतिकर से दोषमुक्त करने का निर्णय पारित किया गया।

प्राचीन झिर बावड़ी घाट की साफ-सफाई की

▶ आलीराजपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान में किया श्रमदान

आलीराजपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत द्वितीय चरण जल स्त्रोत सेवा समागम के तहत गत दिवस महादेव मंदिर, मांडव पानगोला स्थित प्राचीन झिर बावड़ी घाट पर एक विशेष स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक विधि से जल स्त्रोत पूजन एवं वृक्ष पूजन के साथ हुई, जिसमें जल एवं प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके पश्चात सामूहिक श्रम साधना, साफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने मिलकर मंदिर परिसर एवं बावड़ी घाट की सफाई की तथा कुंड की गाद निकालकर जल स्त्रोत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। इस अवसर पर सभी उपस्थित नागरिकों, विद्यार्थियों एवं समिति सदस्यों द्वारा जल संरक्षण हेतु शपथ एवं संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पानी बचाने का सामूहिक संकल्प लिया...

भविष्य में भी जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जल बैठक एवं संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें ग्रामीण जनों को जल संरक्षण, स्वच्छता एवं जल स्त्रोतों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। जिला समन्वयक दीपक जगताप के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था सरदार जन सेवा समिति, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, जनपद पंचायत उदयगढ़ के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, सहित आमजन मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर की जयंती भव्यता के साथ मनाई

सारंगी। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती के अवसर पर भाजपा सारंगी मंडल द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम भाजपा मंडल अध्यक्ष पप्पूलाल गामड़ के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी, पूर्व भाजपा महामंत्री एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि कृष्णपाल सिंह गंगाखेड़ी, भाजपा मंडल महामंत्री रामचन्द्र भूरिया, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र गहलोत, जिला युवा मोर्चा मंत्री महेंद्र सिंह बाछीखेड़ा, मंडल उपाध्यक्ष दिनेश मुनिया, शैलेन्द्र सिंह राठौर, मंडल मंत्री अर्जुन डामर, मीडिया प्रभारी सुरेश परिहार, मिडिया संयोजक जयराज भट्ट, कार्यालय मंत्री बाबूलाल पाटीदार, वरिष्ठ भाजपा नेता परमानंद पाटीदार, हेमेन्द्र सिंह राठौर, हर्षवर्धन सिंह राठौर, प्रेमदास बैरागी, जितेंद्र वर्मा, भेरूलाल बेगनवड़ी तथा कार्यकर्ता तेरसिंह भूरिया, भंवर मावी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिव्य मंत्री को 12वीं में प्राप्त हुआ प्रदेश में 7वां स्थान

आलीराजपुर। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बुधवार को घोषित हायर सेकण्डरी परिक्षा परिणामों में जिले के डॉन बोस्को स्कुल, आलीराजपुर के वाणिज्य संकाय के छात्र दिव्य नरेश मंत्री ने 12वीं कक्षा में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर, प्रदेश में 7वां स्थान हासिल कर आलीराजपुर जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर महोदया नीतु माथुर ने सम्मानित किया व आलीराजपुर नगर माहेश्वरी समाज, जिला माहेश्वरी समाज, माहेश्वरी महिला मण्डल, माहेश्वरी युवती मण्डल, माहेश्वरी मित्र मण्डल, माहेश्वरी वधु मण्डल, जागरूक नागरिक मंच अध्यक्ष विक्रम सेन, चारभुजा मित्र मण्डल, सिविल सोसायटी ने दिव्य मंत्री एवं उनके पिता नरेश मंत्री व माता प्रीति मंत्री को बधाई व शुभकामनाए दी है।

स्वास्थ्य विभाग ने लू-लपट से बचाव के लिए दी सलाह

आलीराजपुर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए आमजन को जागरूक किया जा रहा है। वर्ष 2026 के गर्मी के मौसम में संभावित स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव और समय पर उपचार के बारे में लोगों को जानकारी दी जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अत्यधिक तापमान के कारण लू (हीट स्ट्रोक), डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, उल्टी, सिरदर्द, बुखार, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएं होने की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं तथा लंबे समय तक धूप में काम करने वाले लोग इसके अधिक शिकार हो सकते हैं।

गर्मी से बचाव के उपाय- स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें और दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप में जाने से परहेज करें। अधिक मात्रा में पानी, नींबू पानी, छाछ, लस्सी और ओआरएस का सेवन करें। हल्के रंग के ढीले व सूती कपड़े पहनें और बाहर निकलते समय सिर को टोपी, गमछा या कपड़े से ढककर रखें।

> साथ ही बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है। यदि किसी व्यक्ति को अत्यधिक पसीना आना, तेज बुखार, चक्कर आना, बेहोशी या उल्टी जैसी समस्या हो तो उसे तुरंत छायादार और ठंडी जगह पर ले जाएं। उसे पानी या ओआरएस दें और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में तुरंत उपचार कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अतुलकर ने आम नागरिकों से अपील की है कि गर्मी के मौसम में सावधानी बरतें और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या होने पर नजदीकी स्वास्थ्य संस्था से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक दवाइयों और उपचार की व्यवस्था की गई है, ताकि आपात स्थिति में मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

एक नजर में **जनगणना 2027 की प्रक्रिया, स्व-गणना पोर्टल के प्रचार-प्रसार के लिए बैठक में दी जानकारी**

आमजन 30 अप्रैल तक स्व-गणना पोर्टल से कर सकते हैं स्वयं की जानकारी अपलोड

आलीराजपुर। भारत की जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन और स्व-गणना के प्रचार-प्रसार को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान उपस्थित रहे।

बैठक में जनगणना अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण फरवरी 2027 में संपन्न होगा। इस बार विशेष रूप से आम नागरिकों को पहली बार स्व-गणना का विकल्प दिया गया है। इसके तहत 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिक स्व-गणना वेब पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं।

स्व-गणना पोर्टल पर किस प्रकार स्वयं की गणना की जा सकती है इसके लिए एक उदाहरण भी वीडियो के माध्यम से बैठक में दिखाया गया। आगे बैठक में बताया गया कि स्व-गणना के पश्चात 1 मई से घर घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा जिसके लिए तहसील एवं नगर परिषद स्तर पर प्रगणकों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

> अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री चौहान ने कहा कि जनगणना राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है और इसके आंकड़ों के आधार पर ही जनकल्याणकारी योजनाएं बनाई जाती हैं। इसलिए सभी अधिकारी, कर्मचारी और जनगणना में लगे समस्त जन जनगणना कार्य को गंभीरता से करना सुनिश्चित करें।
>
> कलेक्टर नीतू माथुर ने जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों से अपील की कि वे स्वयं स्व-गणना करें और आम जनता को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित हो सके। बैठक में जनगणना प्रकिया से संबंधित सुझाव और समस्याओं के समाधान पर भी चर्चा की गई। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती संघमित्रा गौतम, संयुक्त कलेक्टर मनोज गरवाल, जिला अध्यक्ष मकू परवाल, अनुविभागीय अधिकारी निधि मिश्रा, जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश से नियुक्त जिला प्रभारी सिद्धार्थ गोयल, जिले के संचार साथी सहित अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी और अन्य लोग उपस्थित रहे।